<u>विधान सभा प्रश्न</u>

विभाग का नामः जल शक्ति विभाग

प्रश्न संख्या तारांकितः 4895

उत्तर की तिथिः 07.03.2022

विषयः पेयजल सुविधा।

प्रश्नकर्ता का नामः श्री लखविन्द्र सिंह राणा (नालागढ़)

संबंधित मंत्रीः जल शक्ति मंत्री

प्रश्नः	उत्तरः
क्या जल शक्ति मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे किः— (क) यह सत्य है कि नालागढ़ विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कोयड़ी के गांव पपलोही हरिजन बस्ती में पीने के पानी के लिए जे0जे0एम0 के तहत जो पाइपें डाली गई हैं, उनमें पानी नहीं आ रहा है; सरकार इस समस्या का समाधान करवाकर लोगों को पेयजल सुविधा उपलब्ध करवाने का विचार रखती है; यदि हां, तो कब तक; और (ख) सरकार इस निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कोयड़ी के ताल गांव की सिंचाई योजना की मरम्मत तथा पुरानी पाइप लाइन को बदलने का विचार रखती है; यदि हां, तो कब तक ?	सूचना सभा पटल पर रख दी गई है।

तारांकित प्रश्न संख्या 4895 जोकि श्री लखविन्द्र सिंह राणा (नालागढ़) द्वारा पूछा गया है, से संबंधित सूचना।

(क) जी नहीं। यह सत्य नहीं है कि नालागढ़ विधानसभा के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोयड़ी के गांव पपलोही हरिजन बस्ती में पीने के पानी के लिए जल जीवन मिशन के तहत डाली गई पाइपों में पानी नहीं आ रहा है। उक्त बस्ती के नौ परिवारों को जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल योजना में नल लगाये गए हैं। पाइप लाइन का ब्यास कम होने के कारण समस्या आ रही थी जिसे अब 25 mm ब्यास की नई पाइप लाइन बिछा कर दूर कर दिया गया है व सभी घरों को समुचित मात्रा में पेयजल उपलब्ध करवाया जा रहा है।

(ख) जी हाँ, ग्राम पंचायत कोयड़ी के गांव ताल में उठाऊ सिंचाई योजना बनसाई द्वारा सिंचाई सुविधा प्रदान की जा रही है। इस योजना का निर्माण वर्ष 1981–82 में गांव थेय, रंगुवाल, बनसाई व ताल की 58.50 हैक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा प्रदान करने के लिए हुआ था जिसमें गांव ताल की लगभग 15 हैक्टेयर भूमि सम्मिलित है। वर्तमान में गांव थेह में निर्माण व भूस्खलन के कारण मुख्य वितरण प्रणाली क्षतिग्रस्त होने से गांव ताल की लगभग 7 हैक्टेयर भूमि ही सिंचित हो पा रही है। इस योजना की मरम्मत हेतु लगभग 2200 मी0 नई पाइप लाइन व 9 आउटलैट बनाने की आवश्यकता है जिसकी अनुमानित लागत लगभग 30.50 लाख रूपये है। वर्तमान में योजना का संचालन किसान विकास समिति (KVS) द्वारा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त उक्त योजना के नवीनीकरण हेतु वर्ष 2011–12 में AIBP के तहत 99.91 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई थी परन्तु ताल गांव के निवासियों द्वारा योजना का कार्य पूर्ण करने नहीं दिया गया तथा योजना का केवल पम्पिंग मशीनरी व ग्रेविटी मेन को बदलने का ही कार्य किया जा सका। गांव वासियों का झगड़ा समाप्त होने पर योजना का कार्य पूर्ण कर इस क्षेत्र को सिंचाई सुविधा प्रदान कर दी जाएगी।